1.41952 to 31.8.1954, were paid arrears at the rate of Rs. 0.75 Paise per day for the period in question on the basis of relevant records available.

पुस्तकों का आयात करने के लिये विदेशी मुद्रा

638. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1965–66 में विदेशों से पुस्तकों का आयात करने के लिये कितनी विदेशी मुद्रा नियत की गई ;

(ख) पुस्तकें आयात करने के लाइसेंस किन शर्तों पर तथा किन व्यक्तियों को दिये जाते हैं ; और

(ग) क्या इस प्रयोजन के लिये नियत की गई विदेशी मुद्रा उनकी आवश्यकता को पूरा करने के लिये पर्याप्त नहीं है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) अप्रैल, 1965 से मार्च, 1966 तक की अवधि में पुस्तकों के आयात के लिये 3 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा का आवंटन किया गया था।

(ख) पुस्तकों के आयात के लियें लाइसेंस सुस्थापित आयातको तथा वास्तविक उपभोक्ताओं जैसे पुस्तकालय, कालेज, विश्वविद्यालय, तकनीकी एवं शैक्षणिक संस्थाएं आदि को इस सामान्य शर्त पर किये जाते हैं कि अवांछनीय एवं अश्लील पुस्तकों तथा पत्रिकाओं के आयात की अनुमति नहीं दी जायेगी। इस सामान्य शर्त के अतिरिक्त निम्नलिखित शर्तों पर सुस्थापित आयातकों को कोटा लाइसेंस दिये जाते हैं :—

(1) उपन्यास, कहानी आदि संबंधी साहित्य और अनुमति प्राप्त अतकनीकी पत्र-पत्रिकायों के आयात के लिये लाइसेंसों के प्रत्यक्ष मूल्य के 50 प्रतिशत से अधिक का उपयोग नहीं किया जा सकता बशर्ते कि प्रत्येक कोटा लाइसेंस पर किसी एक पत्रिका की 20,000 प्रतियों से अधिक के आयात की अनुमति नहीं दी जायगी।

(2) कोटा लाइसेंस से प्रत्यक्ष मूल्य के उपर्युक्त 50 प्रतिशत में से, उपन्यास, कहानी आदि संबंधी साहित्य का आयात, लाइसेंस के प्रत्यक्ष मूल्य के केवल 10 प्रतिशत तक किया जा सकता है।

(ग) जी, नहीं। उदार आयात नीति को ध्यान में रखते हुए, चालू लाइसेंस अवधि में आयातित पुस्तकों की मांग पूर्णत: पूरी होने की आशा है।

चौथी पंचवर्षीय योजना काल में शक्ति चालित करघे (पावरलूम)

739. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने चौथी पंचवर्षीय योजना काल में एक लाख शक्ति चालित करघे लगाने का निर्णय किया है ;

(ख) यदि हां, तो ये करघे कब तक लगाये जायेंगे ; और

(ग) इन करघों के लिये पर्याप्त बिजली की व्यवस्था करने के लिये क्या प्रबन्ध किया गया है?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शफी कुरेशी) : (क) जी, हां।

(ख) चौथी योजना की अवधि में।

(ग) चूंकि राज्य सरकार, वस्त्र आयुक्त की राय से उन पक्षों, संगठनों और सहकारी समितियों का चयन करेंगी जिन्हें शक्ति चालित करघों का आवंटन किया जाना है, अत: आशा है कि वे यह ध्यान रखेंगे कि जिन पक्षों का आवंटन किया जाना है उनके पास शक्ति चालित करघे स्थापित करने एवं उन्हें चलाने के लिये पर्याप्त शक्ति है या नहीं।